PROFIT ADVERTISERS (INDIA) Pvt. Ltd.

	PRESS CLIPPING				
Client	Agrovision (1st Day)				
Publication	Dainik Bhaskar				
Language	Hindi	Place	Nagpur	Date	12/11/16

नागपुर में खुलेगा एग्रोविजन का स्थायी केंद्र: गडकरी

नई तकनीक व पूरक व्यवसाय से ही आयेगा किसानों की स्थिति में बदलाव

शहर प्रतिनिधि| नागपुर

किसानों को खेती संबंधी प्रशिक्षण देने के लिए एग्रोविजन का स्थायी केंद्र नागपुर में खुलेगा। केंद्र में कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञ रहेंगे। नई तकनीकी के इस्तेमाल के अलावा कृषि विकास संबंधी नए शोध की जानकारी दी जाएगी। एग्रोविजन के प्रेरक व भूतल परिवहन मंत्री नितीन गडकरी ने कृषि को घाटे के संकट से उबारने के उपाय सुझाते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य आधार है। कृषि उपज आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। नई तकनीकी व पूरक व्यवसाय से ही किसानों की स्थिति में बदलाव आएगा। गुरुवार को रेशमबाग मैदान में एग्रोविजन राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। इसी कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री गडकरी ने सरकार को कृषि विकास के संबंध में कुछ सुझाव भी दिए। 14 नवंबर तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। श्री गडकरी ने कहा कि एग्रोविजन के स्थायी कार्यालय के माध्यम से शहर में सालाना 150 किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने 5 हजार करोड का विशेष प्रावधान करके राज्य में 2,11,648 कृषि पंप जोड़ने का कार्य किया है। लघु सिंचाई योजना में किसानों को शामिल करने के लिए उपाययोजनाओं की आवश्यकता है। राष्ट्रीय डेयरी विकास महामंडल एनडीडीबी के सहयोग से विदर्भ व मराठवाड़ा के सभी जिलों में दुग्ध विकास योजना का समावेश किया गया है। विदर्भ में दुग्ध व्यवसाय बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। आईटीसी की पहल पर गडचिरोली के आदिवासी बहुल क्षेत्र में अगरबत्ती लकड़ी निर्माण का उद्योग शुरू किया जाएगा। पतंजली समूह का आयुर्वेदिक वनस्पति आपूर्ति करने के लिए गडचिरोली, चंद्रपुर, गोंदिया, अमरावती में बड़े पैमाने पर वनस्पति लगाकर किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारी जा सकती है। श्री गडकरी ने कहा कि औषधि व वनस्पति की खेती के विषय पर भी प्रदर्शनी के दौरान सेमिनार होगा।

कृषि विकास दर बढ़ाएंगे: सीएम

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार 5 से 10 प्रतिशत तक कृषि विकास दर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। फिलहाल कृषि मामले में राज्य पिछड़ा है। कृषि मामले में पिछड़े 4 से 5 राज्यों में महाराष्ट्र शामिल है। नई तकनीकी के आधार पर कृषि विकास किया जाएगा। वर्धा, यवतमाल समेत कपास उत्पादक 11 जिलों में इंटिग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क का निर्माण किया जा रहा है। कपास से कपड़ा व कपड़ा से फैशन के सूत्र के साथ कपास का मूल्य बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। सोलर फीडर योजना के माध्यम से किसानों को दिन में 12 घंटे बिजली दी जाएगी। एनडीबीसी की सहायता से राज्य में 2000 गांवों में पशुसंवर्धन कार्य के लिए अनुबंध किया गया है।

ये थे उपस्थित

कार्यक्रम में पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, कृषि मंत्री पांडुरंग फुंडकर, दुग्ध व मत्स्य उद्योग विकास मंत्री महादेव जानकर, हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनकर, आसाम के कृषि मंत्री अतुल बोरा, आईटीसी के सीईओ संजीव पुरी, महिंद्र एंड महिंद्रा के सीईओ हरीश चव्हाण, पूर्व कृषि सचिव नंदकुमार, पूर्व राज्यमंत्री सुलेखा कुंभारे, सांसद कृपाल तुमाने, सांसद डॉ.विकास महात्मे, सांसद अजय संचेती, सांसद संजय धोत्र, सांसद अशोक नेते , विधायकगण, एग्रोविजन के सलाहकार सीडी मायी, गिरीश गांधी, सचिव रमेश मानकर, महापौर प्रवीण दटके समेत अन्य अधिकारी पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावना एग्रोविजन के आयोजन सचिव रवि बोरटकर ने रखी।

विविध सेमिनार

एग्रोविजन के माध्यम से हर्बल खेती, खाद्य प्रक्रिया, मधुमख्खीपालन, कुक्कुट पालन, दाल उत्पादन, नर्सरी व्यवस्थापन समेत 30 विषयों पर सेमिनार होगा। कोयला से मिथेनाल विषय पर नीति आयोग के सदस्य डॉ.विजय सारस्वत मार्गदर्शन करेंगे। विदर्भ में कपास केंद्र व टेक्सटाइल पार्क विषय पर एक दिवसीय परिषद का आयोजन किया गया है। परिषद का उद्घाटन केंद्रीय वस्त्रोद्योग मंत्री स्मृति ईरानी करेगी।